Seventeenth Loksabha

>

Title:

श्री तापिर गाव (अरुणाचल पूर्व) : ऑनरेबल स्पीकर सर, मैं ऐसा मुद्दा इस सदन में रखना चाहता हूं, अगर इस इश्यू को मैं रेज नहीं करूंगा, तो हिंदुस्तान की आने वाली पीढ़ी मुझे माफ नहीं करेगी । 14 नवंबर, 2019 को ऑनरेबल रक्षा मंत्री राजनाथ जी तवांग गए और बीआरओ के एक पुल को इनोगरेट करने हमारे क्षेत्र आए, तो चाइना आफिशियल ने प्रेस मीडिया में स्टेटमेंट नहीं दिया, आफिशियल प्रेस कान्फ्रेंस करके ऑब्जेक्शन रेज किया । ऑनरेबल प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया अरुणाचल प्रदेश गए, ऑब्जेक्शन रेज हुआ, मोदी जी कैंपेन में गए, ऑब्जेक्शन रेज हुआ, ऑनरेबल होम मिनिस्टर अमित शाह जी गए, वहां प्रेस स्टेटमेंट करके ऑब्जेक्शन रेज होता है । हमारी सरकार और हमारे इस सदन की ओर से कोई एक आवाज नहीं आती है । चाइना के ऑब्जेक्शन का इश्यू किसी ने नहीं रेज किया ।

ऑनरेबल स्पीकर सर, मैं हिंदुस्तान की मीडिया हाउस को भी यह कहना चाहूंगा कि कोई भी इश्यू पर मीडिया में फोकस नहीं होता । चाइना द्वारा कितनी टेरेटरी पर कब्जा हुआ । सदन में मैं रिकार्ड में बताना चाहूंगा कि जसवंत सिंह, फार्मर मिनिस्टर एंड फार्मर एक्सटर्नल अफेयर्स मिनिस्टर, ऐज एन आर्मी कैप्टन की असाफिला में पोस्टिंग हुई । वह असाफिला आज चाइना के कब्जे में है, ओलमाजा चाइना के कब्जे में है, आतूपूपू दिबांग वैली में एक रिलीजियस प्लेस है, 1984-85 से उस जगह पर कब्जा है । अगर कहीं और दोकलाम होगा, तो अरुणाचल प्रदेश में दोकलाम होगा । आज 50-60 किलोमीटर से ज्यादा चाइना ने हमारी टेरेटरी में कब्जा करके रखा है । मैं अपनी सरकार को, इस सदन को और मीडिया हाउस को आपके माध्यम से यह रिक्वैस्ट करना चाहता हूं कि कोई पाकिस्तान इश्यू आता है, तो अखबारों में पाकिस्तान के कराची का डेली मार्केट का रेट छपता है । इंडियन टेरेटरी को अरुणाचल में चाइना कब्जा करता है, लेकिन उसका कहीं प्रिंट मीडिया में, इलेक्ट्रानिक मीडिया में, इस सदन में और

हमारे ऑनरेबल डिफरेंट पॉलिटिकल पार्टीज के लीडर्स का भी कोई कमेंट नहीं आता है, इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगा **कि** दूसरा कहीं डोकलाम होगा, तो अरुणाचल प्रदेश में होगा । वह दिन आने मत दीजिए । गवर्नमेंट ऑफ इंडिया, हमारी सरकार इस चीज पर ध्यान दे, यह मैं आग्रह करता हूं ।

माननीय अध्यक्ष : श्री गणेश सिंह, श्री श्रीरंग आप्पा बारणे, श्री राहुल रमेश शेवाले, डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे और श्री ओम पवन राजेनिंबालकर को श्री तापिर गाव द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।